B.A.-I इतिहास (प्रतिष्ठा)

प्रथम-पत्र

भारत का इतिहास (पूर्व से 550 AD तक)

1. भारत में सभ्यता की शुरूआत—पूरा पाषाण युग, मध्य पाषाणकाल, नवपाषाण युग और ताम्र पाषाण युग।
2. प्राचीन भारत के इतिहास का साहित्यिक और पुरातात्त्विक श्रोत।
3. हड़प्पा सभ्यता का उदय, स्वरूप, विशेषताएँ शहरों के प्रारूप, सभ्यता के पतन के कारण।
4. वैदिक सभ्यता—ऋग्वैदिक शासन, राज्य, अर्थव्यवस्था और धर्म, बाद के वैदिक सभ्यता में बदलाव।
5. छठी शताब्दी ई॰ पू॰ भारत का राजनैतिक स्थिति, मगध की प्रभुता के क्रमिक विकास और मेसोडोनिया का आक्रमण।
6. भारत में छठी शताब्दी बी॰सी॰ में धार्मिक सुधार आंदोलन, जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का उदय भारतीय इतिहास और संस्कृति में जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म का योगदान।
7. मौर्यवंश—उत्पत्ति, चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक की उपलब्धियाँ, विदेशी और धार्मिक नीति, बाद के प्रशासनिक सुधार, मौर्य वंश का पतन।
8. पुष्यमित्र शुंग की उपलब्धियों या उसके सांस्कृतिक विकास (देन)।
9. शकों की भूमिका और योगदान।
10. कुषाण वंश, कनिष्क-प्रथम की उपलब्धियाँ तथा पतन।
11. गुप्त वंश—इतिहास, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, स्कंदगुप्त, गुप्त वंश का पतन, गुप्त काल में प्रशासनिक और सांस्कृतिक सुधार।

स्नातक-खंड-1

इतिहास (प्रतिष्ठा) द्वितीय-पत्र

मध्यकालीन यूरोप का इतिहास

1. रोमन साम्राज्य का पतन—कारण और परिणाम।
2. शार्तमेन की उपलब्धियाँ।
3. सामन्तवाद—उत्पत्ति के कारण, स्वरूप, विशेषताएँ और पतन के कारण।
4. भौगोलिक खोज—प्रकृति और महत्त्व।
5. धर्मयुद्ध का स्वरूप और प्रभाव।
6. पुनर्जागरण—कारण, स्वरूप और महत्त्व।
7. यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों का उदय।
8. मध्य यूरोप में शहर और व्यवसाय का विकास।
9. धर्म सुधार के कारण, प्रभाव और स्वरूप।
10. संसद का गठन, इंग्लैंड में राजा का संसद ट्यूडर काल तक।
11. मध्यकालीन यूरोप में विज्ञान और तकनीकी का विकास।
12. मध्यकालीन यूरोप के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की विशेषताएँ।

स्नातक खण्ड-1

इतिहास (सहायक और सामान्य)

(प्राचीन काल में 1206 AD तक)

1. प्राचीन भारतीय इतिहास का श्रोत।
2. सिंधु घाटी सभ्यता—नगरों का प्रारूप, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक कारण और पतन।
3. पूर्व वैदिक काल में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति।
4. बाद के वैदिक युग में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति में बदलाव।
5. मगध की उत्पत्ति और 16 महाजनपद।
6. सिकन्दर का भारत पर आक्रमण के कारण, परिणाम और स्वरूप।
7. जैन धर्म और बौद्ध धर्म का उदय, महावीर और बुद्ध में जीवन तथा सिद्धांत।
8. मौर्य वंश—चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक के जीवन और उपलब्धियाँ, कलिंग युद्ध, अशोक का धर्म, मौर्य वंश के पतन के कारण।
9. कुषाण और सातवाहन वंश, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
10. गुप्त वंश—समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, स्वर्णकालीन युग में रूप में गुप्त वंश।
11. हर्षवर्धन की उपलब्धियाँ।
12. सिंध पर अरब का आक्रमण।
13. पल्वों का सांस्कृतिक योगदान।
14. मुहम्मद गजनवी और गौरी के आक्रमण, कारण, परिणाम तथा स्वरूप, तुर्की के भाव में सफलता के कारण।
15. भक्ति आंदोलन का स्वरूप और महत्त्व।

स्नातक खण्ड – II

पत्र – III इतिहास (प्रतिष्ठा)

पूर्व मध्यकालीन भारत (6th-13th early A.D.)

1. वद्धनों और मौखरियों का उत्थान।
2. हर्षवर्द्धन का सैन्य सुधार, प्रशासन और सांस्कृतिक योगदान।
3. कन्नौज पर आधिपत्य के लिए त्रिकोणात्मक संघर्ष।
4. पाल वंश - धर्मपाल, देवपाल, पालों के सांस्कृतिक योगदान।
5. गुर्जरों प्रतिहारों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
6. राजकूटों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
7. पल्लवों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
8. चोलवंश चोल साम्राज्य की उत्पत्ति और विस्तार चोलों के सैन्य संगठन, स्वशासन, प्रशासन की विशेषताएँ।
9. राजपूतों की उत्पत्ति।
10. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
11. तुर्कों का भारत पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
12. भारत में भक्ति आन्दोलन - अल्वर और नयनार।
13. भू-दान का प्रारम्भ और सामन्तवादी राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्था।

स्नातक खंड-II इतिहास (प्रतिष्ठा) चतुर्थ-पत्र

आधुनिक यूरोप (1789-1945)

निर्धारित अध्याय :

1. पुरातन व्यवस्था, 2. फ्रांस की राज्यक्रांति-कारण, परिणाम एवं महत्व, 3. नेपोलियन बोनापार्ट-उदय, फ्रांस, इटली और जर्मनी में उसकी देने, पतन के कारण, 4. विएना सम्मेलन और यूरोपीय व्यवस्था, 5. फ्रांसीसी क्रान्तियाँ-1830 ई॰ की फरवरी क्रांति और 1848 ई॰ की जुलाई क्रांति, कारण और परिणाम, 6. क्रीमिया युद्ध-कारण और परिणाम, 7. लुई नेपोलियन तृतीय : निर्देश नीति, 8. जार अलेक्जेन्डर-II मुक्तिदाता, 9. प्रथम विश्व युद्ध : कारण और परिणाम, 10. वर्साय सन्धि (1919), 11. राष्ट्रसंघ : गठन, कार्य और विफलता के कारण, 12. आर्थिक संकट (1929-30), 13. इटली में मुसोलिनी का उदय, 14. जर्मनी में हिटलर का उदय, 15. द्वितीय विश्वयुद्ध-कारण और परिणाम, 16. संयुक्त राष्ट्रसंघ-जन्म, गठन और कार्य।

ग्रन्थ-संदर्भ :

1. आधुनिक यूरोप का इतिहास—डा॰ दीनानाथ शर्मा
2. आधुनिक यूरोप-कौलेश्वर राय

स्नातक खण्ड – II

पत्र – II इतिहास (सामान्य और सहायक)

भारत का इतिहास (1206-1857)

1. बलवन की उपलब्धियाँ।
2. अलाउद्दीन खिलजी की उपलब्धियाँ।
3. मुहम्मद-बिन-तुगलक की उपलब्धियाँ।
4. दिल्ली सल्तनत के अन्तर्गत शासन, कला स्थापत्य कला एवं साहित्य।
5. बाबर द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना।
6. हुमायूँ और शेरशाह के बीच संघर्ष।
7. अकबर की धार्मिक नीति एवं राष्ट्रीय सम्राट का दावा।
8. मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब का उत्तरदायित्व।
9. मुगलकालीन समाज, अर्थव्यवस्था, कला एवं साहित्य।
10. मराठों का उत्थान शिवाजी तक और सिक्ख का उत्थान गुरुगोविन्द सिंह तक।
11. भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियाँ का आगमन।
12. पलासी और बक्सर युद्ध के कारण, प्रकृति और महत्व।
13. आंग्ल-मैसूर संबंध टीपू सुल्तान तक।
14. बिलियम बैंटिंक के सुधार, अंग्रेजी शिक्षा का विस्तार।
15. 1857 ई॰ के विद्रोह, कारण, स्वरूप और प्रभाव।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

पत्र-V

भारत का इतिहास (1206-1764)

1. भारत में तुर्की शासन–कुतुबुदीन ऐबक और इल्तुतमीश ।
2. बलबन द्वारा सल्तनत कालीन शासन का केन्द्रीय रूप ।
3. खिलजी वंश–अलाउदीन खिलजी, उसकी उपलब्धियाँ और सुधार।
4. तुगलक वंश–मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक, सल्तनत का प्रारम्भिक विश्लेषण ।
5. विजयनगर और बहमनी साम्राज्य का उदय तथा इसके राजनीतिक और सांस्कृतिक योगदान ।
6. दिल्ली सल्तनत के अधीन सूफीवाद और भक्ति आंदोलन ।
7. सल्तनतकालीन, प्रशासन, कला और वास्तुकला ।
8. बाबर के द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना ।
9. मुगल-अफगान विवाद, हुमायूँ और शेरशाह ।
10. शेरशाह का शासन ।
11. राजपूत दक्षिणी अकबर की धार्मिक नीति दीन-ए-इलाही के संदर्भ में, मनसबदारी प्रथा का अच्छाइयाँ तथा बुराइयाँ ।
12. मुगल राजनीति पर नूरजहाँ का प्रभाव ।
13. उत्तराधिकार के लिए शाहजहाँ के समय में युद्ध ।
14. औरंगजेब–सिक्खों के साथ संबंधख, मराठों और दक्षिणी राज्यों के संबंधों एवं नीति, धार्मिक नीति, मुगल सांम्राज्य के पतन के लिए उत्तरदायी ।
15. मुगल साम्राज्य की विशेषताएँ–कला, साहित्य और शिल्पीशस्त ।
16. बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन, पलासी और बक्सर का युद्ध ।

पत्र-VI

भारत का इतिहास (1765-1950)

1. बंगाल में दोहरी शासन तथा बंगाल पर इसका प्रभाव ।
2. वारेन हेस्टिंग्स के दौरान कंपनी के नियमों का विस्तार ।
3. वेलेस्ली की सहायक संधि, भारतीय राज्यों पर इसके प्रभाव ।
4. विलियम बेंटिक के सुधार ।
5. ईस्ट इंडिया कम्पनी की भू-राजस्व नीति, स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी और महलबोड़ी व्यवस्था ।
6. कंपनी की आर्थिक नीति तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव ।
7. 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में अंग्रेजी शिक्षा का विकास ।
8. भारत में सामाजिक तथा धार्मिक जागरण, राजाराम मोहन राय, स्वामी विवेकानन्द तथा सर सैयद अहमद खान के विशेष संदर्भ में ।
9. 1857 की क्रांति के स्वरूप, कारण तथा प्रभाव । बाबू वीर कुँवर सिंह की भूमिका तथा क्रांति के असफलता के कारण ।
10. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में सहायक कारक ।

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना । नरम दल की भूमिका।
12. भारत में उग्रवादी, राष्ट्रीय आंदोलन का विकास और द्वितीय विश्व युद्ध तक विदेशों में विस्तार ।
13. स्वदेशी तथा बहिष्कार आंदोलन–इनका प्रभाव ।
14. भारतीय राजनीति में मुस्लिम लीग का उदय तथा पाकिस्तान की माँग ।
15. महात्मा गाँधी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन, असहयोग आंदोलन तथा भारत छोड़ों आंदोलन ।
16. 1919 तथा 1935 के भारत सरकार एंकर की विशेषताएँ ।
17. भारत का विभाजन, कैबिनेट मिशन, माउन्टबेटन योजना ।
18. स्वतंत्र भारत के संविधान की विशेषताएँ ।

पत्र-VII

मध्य-पूर्व और दुरस्त पूर्व का इतिहास (19वीं से 20वीं शताब्दी)

1. तुर्की में अब्दुल हमिद द्वितीय की भूमिका तथा युवा तुर्क आंदोलन ।
2. मुश्तफा कमाल पाशा के सुधार तथा विदेश नीति ।
3. सीरीया में फ्रांसिसी अधिदेश तथा इराक में ब्रिटिश अधिदेश के कारण तथा महत्व।
4. राजाशाह पहलवीं के सुधार ।
5. फिलिस्तीन की समस्याएँ और उसके प्रभाव ।
6. मध्य पूर्व में तेल नीति और इसका प्रभाव ।
7. चीन में यूरोपियन का आगमन और इसके परिणाम ।
8. चीन में टेपींग और बॉक्सर विद्रोही–इसके कारण और परिणाम ।
9. 1911 के योगी क्रांति के कारण, प्रकृति और परिणाम ।
10. चीन के इतिहास में सनयात सेन और चैंग काई शाक की भूमिका ।
11. चीन में साम्यवादी सरकार के गठन और इसकी उपलब्धियाँ ।
12. विदेश शक्ति के रूप में जापान का उदय ।
13. मेइजी सुधार और इसके परिणाम ।
14. जापान का आधुनीकिकरण ।
15. 1902 का ऐंगला–जापानी संधि ।
16. द्वितीय विश्वयुद्ध तक जापानी साम्राज्यवाद का उदय ।

पत्र-VIII

(यू० एस० ए० और रूस का इतिहास)

खण्ड-(क) यू० एस० ए०

1. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के कारण, प्रकृति तथा महत्व ।
2. यू० एस० ए० के संविधान की संरचना तथा इसकी खूबियाँ ।
3. जॉर्ज़ वाशिंगटन, जेफरसन और जैक्सन के कार्य का वर्जन ।
4. अमेरिकी गृह युद्ध के कारणं तथा महत्व ।
5. प्रथम विश्व युद्ध में अमेरिका की भूमिका ।
6. रूजवेल्ट की न्यू डील नीति ।

खण्ड-(ख) : रूस

1. जार अलेक्जेंडर-II की उपलब्धियाँ ।
2. 1904-05 केअमेरिकी-रूसी युद्ध के कारण और परिणाम ।
3. प्रथम विश्व युद्ध में रूस की भूमिका ।
4. 1917 के रूसी क्रांति की प्रकृति, कारण तथा प्रभाव ।
5. लेनिन की नई आर्थिक नीति ।
6. द्वितीय युद्ध में रूस की भूमिका ।
7. शीत युद्ध की शुरूआत–कारण और प्रकृति ।

स्नातक खण्ड-III (सामान्य)

पत्र-III

विश्व का इतिहास (1789-1945)

1. फ्रांस की क्रांतिके कारण, परिणाम और प्रकृति ।
2. नेपोलियन के उत्पत्ति और पतन तथा उसके कार्यों का आलोचना ।
3. औद्योगिक क्रांति के कारण, प्रभाव और प्रकृति ।
4. इटली का एकीकरण ।
5. जर्मनी का एकीकरण ।
6. प्रथम विश्व युद्ध के कारण और परिणाम ।
7. लीग ऑफ नेशन्स की संरचना, कार्य तथा इसकी असफलता के कारण ।
8. 1917 का रूसी क्रांति, लेनिन के कार्यों की व्याख्या ।
9. इटली में मुसोलिनी तथा जर्मनी में हिटलर का उदय ।
10. द्वितीय विश्व युद्ध के कारण, परिणाम तथा प्रकृति ।